प्रेस विज्ञप्ति

०३/१०/२००७

रूपये की मजबूती से हो रहे मुनाफे को उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाय

प्रोफेसर एवं भारतीय वित्त संस्थान के अध्यक्ष डा. जे. डी. अग्रवाल ने सरकार से अनुग्रह किया है कि सरकार यह सुनिश्चित करे कि वस्तुओं के उत्पादक तथा ज्यादा मात्रा में आयात करने वाले या आयातित वस्तुओं के प्रदाताओं को कीमत कम करनी चाहिए तथा उसका लाभ लोगों को देना चाहिए क्योंकि रूपये की कीमत में डॉलर के मुकाबले वृद्धि हो रही है। पिछले दो सालों मे रूपया डॉलर के मुकाबले २० प्रतिशत मजबूत हुआ है। उत्पादक और व्यापारिक संस्थानों ने लाभ को उपभोकताओं को ना देकर अपने तक सीमित रखा है। आयातित कच्चे माल को प्रयोग करने वालो को सीमा शुल्क तथा एक्साइज ड्यूटी कम देनी होगी जिससे कीमत में कमी आने से मुनाफा बढ़ेगा।

उनके अनुसार भारत में बहुराश्ट्रीय कंपनियो द्वारा बेची जा रही उपभोक्ता वस्तुओं जैसे फ्रीज, एयर कंडिशनर, कंप्यूटर, लैपटॉप, टेलीविजन, महंगी कारें, मोबाईल फोन, ब्रांडेड सॉफ्टवेयर, बीमा कीमतों में आयात की मात्रा बहुत अधिक होती है। प्रोफेसर अग्रवाल ने दोहराया कि रूपये के मजबूत होने से सभी वस्तुओं तथा कच्चे माल के निर्यात भी सस्ते हो गये हैं। ऐसा देखने में आया है कि जब भी रूपया डॉलर के सामने कमजोर होता है तो सभी उत्पादक तथा आयातित वस्तुओं के प्रदाता भारतीय बाजार में अपनी वस्तुओं की कीमतें बढ़ा देते हैं।

डॉ अग्रवाल के अनुसार उद्योग जगत इन लाभों को उपभोक्ताओं को न देकर अपने तक सीमित रखते हैं। सेवाओं के प्रदाता जैसे बहुराश्ट्रीय कंपनिया, बैंक, सॉफटवेयर कंपनिया, वैब होस्टिंग कंपनिया, बीमा कंपनिया इत्यादि अपनी सेवाओं की कीमत भारत में डॉलर की कीमत के अनुसार तय करती हैं। जैसे जैसे रूप्या पिछले दो सालों में डॉलर के प्रति २० प्रतिशत मजबूत हुआ है इन सभी सेवाओं की कीमतें भारतीय रूपये में कम नहीं किया है।

प्रोफेसर अग्रवाल ने सरकार तथा उद्योग जगत से अनुग्रह किया है कि रूपये की वृद्धि से हुए लाभ को उपभोक्ताओं तक पहुंचाये। उनके अनुसार इससे देश में वस्तुओं तथा सेवाओं की मांग में वृद्धि होगी, देश में लोगों का रहन-सहन और उत्तम होगा, आर्थिक विकास में वृद्धि तथा देश में और रोजगार उत्पन्न होंगे।

प्रेस सेक्रटरी
भारतीय वित्त संस्थान
फोन : २७१३६४३७